SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

मुझे उद्धार पाने के लिए क्या करना चाहिए? — स्ट्रॉन्ग्स नंबर्स के साथ एक KJV बाइबल अध्ययन

मुझे उद्धार पाने के लिए क्या करना चाहिए? · प्रेरितों का अपना उत्तर (प्रेरितों के काम 2:38)

मौलिक बाइबिल सिद्धांत — यीशु मसीह का सुसमाचार

सरल शब्दों में

> *परमेश्वर ने आपको बनाया, और परमेश्वर आपसे प्रेम करता है। हर व्यक्ति ने गलत किया है, और गलती हमें परमेश्वर से अलग कर देती है। परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु मसीह को भेजा। यीशु ने कभी गलत नहीं किया, परन्तु वह हमारी गलतियों का दण्ड चुकाने के लिये मरा। तब परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, और वह अब जीवित है। अब आपको यह करना है। इस सुसमाचार पर अपने सारे मन से विश्वास करें। अपने गलत मार्गों से फिरें — बाइबल इसे पश्चाताप कहती है। बपतिस्मा लें — यीशु मसीह के नाम में जल के नीचे जाएं — और परमेश्वर आपके पापों को क्षमा करेगा। परमेश्वर आपको अपना पवित्र आत्मा देगा जो आपके भीतर वास करेगा। फिर अपने जीवन के अन्त तक, अन्य विश्वासियों के साथ मिलकर, हर दिन यीशु के पीछे चलते रहें। वह आपको सम्भाले रखेगा, और वह आपको वह जीवन देगा जो कभी समाप्त नहीं होता।*

उद्घाटन शब्द

> *मित्र, सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न जो कोई भी पूछ सकता है, वह उसी दिन पूछा गया था जिस दिन कलीसिया का जन्म हुआ। जिन लोगों ने सत्य सुना, वे हृदय में छिद गए, और वे पुकार उठे, हम क्या करें? उन्हें केवल कुछ अनुभव करने के लिए, या एक प्रार्थना कहकर फिर पहले जैसा जीवन जीते रहने के लिए नहीं कहा गया। उन्हें एक ऐसा उत्तर दिया गया जिसमें एक द्वार था, और उस द्वार में पार करने के लिए एक कदम था। विश्वास करो — अपने पूरे हृदय से — कि यीशु मसीह तुम्हारे पापों के लिए मरा और मरे हुओं में से जी उठा, क्योंकि विश्वास परमेश्वर के वचन को सुनने से आता है। मन फिराओ — अपने पूरे हृदय से अपने पाप से फिर जाओ। यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लो, पापों की क्षमा के लिए — उसके साथ गाड़े जाकर, और नये जीवन में जीने के लिए उठाए जाकर। पवित्र आत्मा का वरदान प्राप्त करो — क्योंकि जिसके पास मसीह का आत्मा नहीं, वह उसका नहीं है। फिर द्वार पर ही मत रुक जाओ: प्रेरितों की शिक्षा में, रोटी तोड़ने में, और प्रार्थनाओं में आगे बढ़ते रहो; उसके साथ इस प्रकार जुड़े रहो जैसे एक डाली दाखलता से जुड़ी रहती है; और अंत तक धीरज धरो — क्योंकि उद्धार सत्य में आरम्भ होता है, सत्य में बना रहता है, और सत्य में समाप्त होता है। एक प्रार्थना एक अच्छी शुरुआत है, और तुम इसी घड़ी उसे प्रार्थना कर सकते हो; परन्तु प्रेरितों ने जो कुछ भी उत्तर दिया, उस सब को सुनो, और उसे करो, और तुम उद्धार पाओगे। यही मार्ग है भीतर आने का। इसे स्वयं अध्ययन करो, और इस पर चलो।*

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. जब लोग हृदय में छिद गए और चिल्ला उठे, "हम क्या करें?" तो प्रेरितों ने क्या उत्तर दिया?
2. हृदय से विश्वास करने और मुँह से अंगीकार करने का क्या अर्थ है, और यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा क्या करता है?

3. क्या उद्धार केवल एक आरंभ है, या व्यक्ति को इसमें बना भी रहना चाहिए, मसीह से जुड़े भी रहना चाहिए, और अंत तक धीरज भी धरना चाहिए?

I. प्रश्न — हे भाइयों और पुरुषों, हम क्या करें?

प्रेरितों के काम 2:36 "अतः अब इस्राएल का सारा घराना निश्चय जान ले कि परमेश्वर ने उसी यीशु को जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया, प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।" (37) तब सुननेवालों के हृदय छिद गए, और वे पतरस और अन्य प्रेरितों से पूछने लगे, "हे भाइयों, हम क्या करें?"

उनके हृदय छिद गए → हे भाइयो, हम क्या करें?

II. आधार — मसीह मर गया, और उसका लोहू पाप से धोता है

A. रोमियों 5:8 परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा।

जब हम पापी ही थे, तब मसीह हमारे लिये मरा।

B. प्रकाशितवाक्य 1:5 और यीशु मसीह की ओर से, जो विश्वासयोग्य साक्षी और मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहलौठा, और पृथ्वी के राजाओं का अधिपति है, तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे। जो हम से प्रेम रखता है, और जिसने अपने लहू के द्वारा हमें पापों से छुड़ाया है। (कुलु. 1:8) **[G3068 louo ⚑]**

विश्वासयोग्य साक्षी + मरे हुओं में से पहलौठा → जिसने हमसे प्रेम किया → और अपने ही लहू से हमें हमारे पापों से धो डाला।

C. इफिसियों 1:7 हमको मसीह में उसके लहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात् अपराधों की क्षमा, परमेश्वर के उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है

हमको मसीह में उसके लहू के द्वारा छुटकारा = अर्थात् अपराधों की क्षमा.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — छुटकारा और पापों की क्षमा उसमें हैं। यही कारण है कि हम उसमें बपतिस्मा लेते हैं: वह लहू जो हमें धोता है, और वह क्षमा जो उसके द्वारा प्राप्त होती है, उसी एक में पाई जाती है जिसमें हम बपतिस्मा लेते हैं।)

D. यशायाह 52:14 जैसे बहुत से लोग उसे देखकर चकित हुए (क्योंकि उसका रूप यहाँ तक बिगड़ा हुआ था कि मनुष्य का सा न जान पड़ता था और उसकी सुन्दरता भी आदमियों की सी न रह गई थी), (भज. 22:6,7, यशा. 53:2,3)

उसका रूप ऐसा बिगड़ गया था कि वह मनुष्य सा नहीं दिखता था -- और उसकी सूरत मनुष्यों की सन्तानों से अधिक बिगड़ी हुई थी।

E. यशायाह 50:6 मैंने मारनेवालों को अपनी पीठ और गलमोछ नोचनेवालों की ओर अपने गाल किए; अपमानित होने और उनके थूकने से मैंने मुँह न छिपाया। (मत्ती 26:67, इब्रा. 12:2)

मैंने अपनी पीठ पीटनेवालों को + अपने गाल बाल नोचनेवालों को दी → मैंने अपमान और थूकनेवालों से अपना मुंह न छिपाया।

F. भजन संहिता 22:14 मैं जल के समान बह गया, और मेरी सब हड्डियों के जोड़ उखड़ गए: मेरा हृदय मोम हो गया, वह मेरी देह के भीतर पिघल गया। (15) मेरा बल टूट गया, मैं ठीकरा हो गया; और मेरी जीभ मेरे तालू से चिपक गई; और तू मुझे मारकर मिट्टी में मिला देता है। (नीति. 17:22) (16) क्योंकि कुत्तों ने मुझे घेर लिया है; कुकर्मियों की मण्डली मेरे चारों ओर मुझे घेरे हुए है; वह मेरे हाथ और मेरे पैर छेदते हैं। (मत्ती 27:35, मर. 15:29, लूका 23:33) (17) मैं अपनी सब हड्डियाँ गिन सकता हूँ; वे मुझे देखते और निहारते हैं; (18) वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे पहरावे पर चिट्ठी डालते हैं। (मत्ती 27:35, लूका 23:34, यहू. 19:24,25)

मेरी सब हड्डियाँ उखड़ गई हैं → उन्होंने मेरे हाथों और मेरे पैरों को बेधा है → वे मेरे वस्त्र बांटते हैं + मेरे वस्त्रों पर चिट्ठी डालते हैं।

G. यशायाह 53:4 निश्चय उसने हमारे रोगों को सह लिया और हमारे ही दुःखों को उठा लिया; तो भी हमने उसे परमेश्वर का मारा-कूटा और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझा। (मत्ती 8:17, 1 पत. 2:24) **[H7495 rapha ⚑]** (5) परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के कारण कुचला गया; हमारी ही शान्ति के लिये उस पर ताड़ना पड़ी कि उसके कोड़े खाने से हम लोग चंगे हो जाएँ। (रोम. 4:25, 1 पत. 2:24)

वह हमारे अपराधों के कारण घायल किया गया + हमारे अधर्म के कारण कुचला गया → उसके कोड़ों से हम चंगे हुए।

H. मत्ती 27:28 और उसके कपड़े उतारकर उसे लाल चोगा पहनाया। (29) और काँटों का मुकुट गूँथकर उसके सिर पर रखा; और उसके दाहिने हाथ में सरकण्डा दिया और उसके आगे घुटने टेककर उसे उपहास में उड़ाने लगे, "हे यहूदियों के राजा नमस्कार!" (30) और उस पर थूका; और वही सरकण्डा लेकर उसके सिर पर मारने लगे।

उसके सिर पर काँटों का मुकुट → उन्होंने उस पर थूका + उसके सिर पर मारा।

I. लूका 22:44 और वह अत्यन्त संकट में व्याकुल होकर और भी हार्दिक वेदना से प्रार्थना करने लगा; और उसका पसीना मानो लहू की बड़ी-बड़ी बूँदों के समान भूमि पर गिर रहा था।

और उसका पसीना मानो लहू की बड़ी-बड़ी बूँदों के समान भूमि पर गिर रहा था.

J. यूहन्ना 19:34 परन्तु सिपाहियों में से एक ने बरछे से उसका पंजर बेधा और उसमें से तुरन्त लहू और पानी निकला।

एक भाले ने उसका पंजर बेधा → और तुरन्त लोहू और जल बह निकला।

(मेरे निजी विचार — इसे धीरे-धीरे पढ़ें, और जानें कि यह आपके लिए था। जिस मुख ने तारों को बनाया, वह पहचान से परे विकृत कर दिया गया। जिस पीठ ने सारी सृष्टि को थामा है, वह कोड़े से चीर दी गई। जिन हाथों ने कोढ़ी को चंगा किया, उन्हें लोहे से बींध दिया गया। उसकी हड्डियाँ गिनने के लिए उभर आईं। एक भी कील ठोंकी जाने से पहले पसीना लहू के समान बहा। वह पराजित नहीं किया गया था: उसने अपनी पीठ स्वेच्छा से दी; उसने अपना मुख नहीं छिपाया। हर कोड़ा तुम्हारा पाप था जो उस पर रखा गया, हर घाव तुम्हारा अपराध था, हर बूँद तुम्हारा ऋण थी। और जब सब पूरा हो गया, तो उसकी कोख से लहू और पानी बह निकला — लहू तुम्हें धोने के लिए, और पानी तुम्हें उसमें गाड़ने

के लिए। इसलिए जब तुमसे कहा जाता है कि पश्चाताप करो और बपतिस्मा लो, तो तुमसे कोई कठिन काम करने को नहीं कहा जा रहा। तुमसे कहा जा रहा है कि घुटनों के बल बैठकर वह ग्रहण करो, जिसकी कीमत उसने यह सब चुकाकर दी।)

III. प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो — और अपने मुख से उसका अंगीकार करो

A. उत्पत्ति 15:6 उसने यहोवा पर विश्वास किया; और यहोवा ने इस बात को उसके लेखे में धार्मिकता गिना। (रोम. 4:3) **[H539 aman ⚑]**

उसने यहोवा पर विश्वास किया → और यहोवा ने इस बात को उसके लेखे में धार्मिकता गिना। (रोम. 4:3.

B. रोमियों 4:3 पवित्रशास्त्र क्या कहता है? यह कि "अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया, और यह उसके लिये धार्मिकता गिना गया।"

अब्राहम ने परमेश्वर की प्रतीति की → और यह उसके लिये धार्मिकता ठहरी।

C. गिनती 21:8 यहोवा ने मूसा से कहा, "एक तेज विषवाले साँप की प्रतिमा बनवाकर खम्भे पर लटका; तब जो साँप से डसा हुआ उसको देख ले वह जीवित बचेगा।" (9) अतः मूसा ने पीतल का एक साँप बनवाकर खम्भे पर लटकाया; तब साँप के डसे हुओं में से जिस-जिसने उस पीतल के साँप की ओर देखा वह जीवित बच गया। (यूह. 3:14)

जो कोई डसा जाने पर उसकी ओर दृष्टि करेगा → वह जीवित रहेगा।

D. यूहन्ना 3:14 और जिस तरह से मूसा ने जंगल में साँप को ऊँचे पर चढ़ाया, उसी रीति से अवश्य है कि मनुष्य का पुत्र भी ऊँचे पर चढ़ाया जाए। (यूह. 8:28) **[G4100 pisteuo ⚑]** (15) ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह अनन्त जीवन पाए। (16) "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

जिस प्रकार मूसा ने सर्प को ऊँचा उठाया → उसी प्रकार मनुष्य के पुत्र का भी ऊँचा उठाया जाना अवश्य है → कि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इन दोनों को साथ रखकर देखें और इन्हें सिखाने दें। जंगल में, मरते हुए लोगों से यह नहीं कहा गया था कि वे उपचार अर्जित करें। उनसे कहा गया था कि वे विश्वास से उस वस्तु को देखें जिसे परमेश्वर ने खंभे पर ऊंचा किया था — और वे जीवित रहे। यीशु कहते हैं कि वह खंभा उनके अपने क्रूस का चित्र था। विश्वास करना ही देखना है। किसी व्यक्ति के पश्चाताप करने या किसी बात का पालन करने से पहले, उसे सबसे पहले अपने सम्पूर्ण हृदय से उस ऊंचे किए गए व्यक्ति की ओर देखना चाहिए, और उस पर भरोसा करना चाहिए। और अब्राहम को देखिए: उसने विश्वास किया, और परमेश्वर ने इसे उसके लिए धार्मिकता गिना — व्यवस्था से पहले, किसी भी विधि से पहले। विश्वास ही वह स्थान है जहां से सब कुछ आरंभ होता है। परन्तु देखिए कि अगली आयतों में विश्वास कितनी शीघ्रता से आज्ञाकारिता की ओर बढ़ता है — उसी रात, उसी घड़ी।)

E. रोमियों 10:8 परन्तु क्या कहती है? यह, कि "वचन तेरे निकट है, तेरे मुँह में और तेरे मन में है," यह वही विश्वास का वचन है, जो हम प्रचार करते हैं। **[G3670 homologeo ⚑]** (9) कि यदि तू अपने मुँह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे, कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा। (प्रेरि. 16:31) (10) क्योंकि धार्मिकता के लिये मन से विश्वास किया जाता है, और उद्धार के लिये मुँह से अंगीकार किया जाता है।

यदि तू अपने मुँह से प्रभु यीशु का अंगीकार करे + और अपने हृदय में विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मुर्दों में से जिलाया → तो तू उद्धार पाएगा।

F. रोमियों 10:13 क्योंकि "जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।" (प्रेरि. 2:21, योए. 2:32)

क्योंकि "जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।" (प्रेरि → 2:21, योए. 2:32.

G. रोमियों 10:17 इसलिए विश्वास सुनने से, और सुनना मसीह के वचन से होता है।

इसलिए विश्वास सुनने से → और सुनना मसीह के वचन से होता है.

H. प्रेरितों के काम 16:29 तब वह दिया मँगवाकर भीतर आया और काँपता हुआ पौलुस और सीलास के आगे गिरा; **[G4100 pisteuo ⚑]** (30) और उन्हें बाहर लाकर कहा, "हे सज्जनों, उद्धार पाने के लिये मैं क्या करूँ?" (31) उन्होंने कहा, "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।" (32) और उन्होंने उसको और उसके सारे घर के लोगों को प्रभु का वचन सुनाया। (33) और रात को उसी घड़ी उसने उन्हें ले जाकर उनके घाव धोए, और उसने अपने सब लोगों समेत तुरन्त बपतिस्मा लिया।

महोदय, उद्धार पाने के लिये मुझे क्या करना चाहिए? → प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर → और उसने और उसके सारे घराने ने तुरन्त बपतिस्मा लिया।

(मेरे निजी विचार — पूरी बाइबल में केवल दो बार यह ठीक यही प्रश्न ऊँची आवाज़ में पूछा गया है: यहाँ फिलिप्पी की जेल में, और पिन्तेकुस्त के दिन प्रेरितों के काम अध्याय 2 में। दोनों उत्तरों को साथ-साथ रखकर देखें। पिन्तेकुस्त की भीड़ पहले ही सुन चुकी थी और विश्वास कर चुकी थी — इसीलिए वे हृदय में बिंध गए थे — इसलिए पतरस ने अगले चरण से आरम्भ किया: मन फिराओ, और बपतिस्मा लो। दरोगा अभी तक कुछ नहीं जानता था, इसलिए पौलुस ने पहले चरण से आरम्भ किया: विश्वास करो — और फिर उसे प्रभु का वचन सुनाया, और उसी रात की उसी घड़ी उस व्यक्ति ने बपतिस्मा लिया। दो आरम्भ, एक ही मार्ग। विश्वास करना बपतिस्मा का प्रतिद्वंद्वी नहीं है, और बपतिस्मा विश्वास करने का प्रतिद्वंद्वी नहीं है; विश्वास वह हृदय है जो आज्ञा मानता है, और उसी घड़ी में करना ही पर्याप्त समय है।)

I. इब्रानियों 11:6 और विश्वास बिना उसे प्रसन्न करना अनहोना है, क्योंकि परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए, कि वह है; और अपने खोजनेवालों को प्रतिफल देता है।

बिना विश्वास के उसे प्रसन्न करना अनहोना है → परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए कि वह है।

IV. उत्तर — मन फिराओ, बपतिस्मा लो, पवित्र आत्मा प्राप्त करो

प्रेरितों के काम 2:38 पतरस ने उनसे कहा, "मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने-अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले; तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। **[G859 aphesis ⚑] [G907 baptizo ⚑] [G3340 metanoeo ⚑]** (39) क्योंकि यह प्रतिज्ञा

तुम, और तुम्हारी सन्तानों, और उन सब दूर-दूर के लोगों के लिये भी है जिनको प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा।" (योए. 2:32)

पश्चाताप करो + यीशु मसीह के नाम में पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा लो → तुम पवित्र आत्मा का दान प्राप्त करोगे।

V. मन फिराओ

A. प्रेरितों के काम 3:19 इसलिए, मन फिराओ और लौट आओ कि तुम्हारे पाप मिटाएँ जाएँ, जिससे प्रभु के सम्मुख से विश्रान्ति के दिन आएँ।

पश्चाताप करो + मन फिराओ → ताकि तुम्हारे पाप मिटाए जाएं।

B. लूका 13:3 मैं तुम से कहता हूँ, कि नहीं; परन्तु यदि तुम मन न फिराओगे तो तुम सब भी इसी रीति से नाश होंगे।

जब तक तुम मन न फिराओगे → तुम सब भी इसी रीति नाश होगे।

C. 2 कुरिन्थियों 7:10 क्योंकि परमेश्वर-भक्ति का शोक ऐसा पश्चाताप उत्पन्न करता है; जिसका परिणाम उद्धार है और फिर उससे पछताना नहीं पड़ता: परन्तु सांसारिक शोक मृत्यु उत्पन्न करता है।

क्योंकि परमेश्वर-भक्ति का शोक ऐसा पश्चाताप उत्पन्न करता है → परन्तु सांसारिक शोक मृत्यु उत्पन्न करता है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह मत सोचिए कि यह कोई छोटा शब्द है, जो एक बार कहा गया और समाप्त हो गया। पश्चाताप करो, और ऐसे शब्द पूरी बाइबल में एक सौ बारह बार गूंजते हैं — पुराने नियम में छियालीस बार, और नए नियम में छियासठ बार। भविष्यद्वक्ताओं की पुकार फिरो, फिरो से लेकर, यूहन्ना की पुकार पश्चाताप करो तक, प्रभु स्वयं तक, प्रेरितों तक, और जी उठे हुए मसीह तक जो कलीसियाओं को लिख रहे हैं — एक ही पुकार उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक चलती है: फिरो। परमेश्वर ने लोगों को इसकी ओर बुलाना कभी एक बार भी बंद नहीं किया। और कोई भी इसे करना बंद नहीं कर सकता।)

VI. मसीह में बपतिस्मा लेकर पापों की क्षमा प्राप्त करो

A. प्रेरितों के काम 22:16 अब क्यों देर करता है? उठ, बपतिस्मा ले, और उसका नाम लेकर अपने पापों को धो डाल।' (योए. 2:32)
[G907 baptizo ⚑]

उठ, और बपतिस्मा ले, और अपने पापों को धो डाल → प्रभु के नाम पर विश्वास करते हुए।

B. रोमियों 6:4 इसलिए उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नये जीवन के अनुसार चाल चलें।

उसके साथ बपतिस्मा द्वारा मृत्यु में गाड़े गए → वैसे ही हम भी नये जीवन में चाल चलें।

C. कुलुस्सियों 2:12 और उसी के साथ बपतिस्मा में गाड़े गए, और उसी में परमेश्वर की शक्ति पर विश्वास करके, जिसने उसको मरे हुओं में से जिलाया, उसके साथ जी भी उठे।

बपतिस्मा में उसके साथ गाड़े गए → परमेश्वर की शक्ति के प्रभाव में विश्वास के द्वारा उसके साथ जिलाए गए।

D. 1 पतरस 3:21 और उसी पानी का दृष्टान्त भी, अर्थात् बपतिस्मा, यीशु मसीह के जी उठने के द्वारा, अब तुम्हें बचाता है; उससे शरीर के मैल को दूर करने का अर्थ नहीं है, परन्तु शुद्ध विवेक से परमेश्वर के वश में हो जाने का अर्थ है।

बपतिस्मा भी अब हमें बचाता है = परमेश्वर की ओर एक अच्छे विवेक का उत्तर।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह जल नहीं है जो बचाता है। यह परमेश्वर के प्रति एक अच्छी अंतरात्मा का उत्तर है: बपतिस्मे की आज्ञाकारिता के द्वारा अंतरात्मा पर लगाया गया रक्त, और नए जीवन में उठाया गया व्यक्ति।)

2 राजाओं 5:10 तब एलीशा ने एक दूत से उसके पास यह कहला भेजा, "तू जाकर यरदन में सात बार डुबकी मार, तब तेरा शरीर ज्यों का त्यों हो जाएगा, और तू शुद्ध होगा।" **[H2891 taher ⚑]**

तब तेरा शरीर ज्यों का त्यों हो जाएगा → तब तेरा शरीर ज्यों का त्यों हो जाएगा, और तू शुद्ध होगा.

2 राजाओं 5:13 तब उसके सेवक पास आकर कहने लगे, "हे हमारे पिता यदि भविष्यद्वक्ता तुझे कोई भारी काम करने की आज्ञा देता, तो क्या तू उसे न करता? फिर जब वह कहता है, कि स्नान करके शुद्ध हो जा, तो कितना अधिक इसे मानना चाहिये।"

यदि भविष्यद्वक्ता तुझे कोई बड़ा काम करने की आज्ञा देता, तो क्या तू उसे न करता? → तो अब जब उस ने तुझ से यह कहा, कि स्नान करके शुद्ध हो जा, तो क्यों न करे?

2 राजाओं 5:14 तब उसने परमेश्वर के भक्त के वचन के अनुसार यरदन को जाकर उसमें सात बार डुबकी मारी, और उसका शरीर छोटे लड़के का सा हो गया; और वह शुद्ध हो गया। (लूका 4:27)

उसने यरदन में सात बार डुबकी लगाई → उसका शरीर फिर एक छोटे बालक के समान शुद्ध हो गया, और वह शुद्ध हो गया।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ वही सच्चाई है जो बहुत पहले चित्रित की गई थी। नामान एक महान पुरुष था, और कोढ़ी था, और उसे एक छोटा सा काम करने के लिए कहा गया: यरदन में सात बार जाकर स्नान करना, और शुद्ध हो जाना। वह क्रोधित हुआ, और किसी बड़े प्रदर्शन की आशा कर रहा था, और सोचता था कि उसके अपने देश की नदियाँ इस्राएल के जल से बेहतर हैं — जैसे लोग आज भी इतने सरल आदेश पर ठोकर खाते हैं। परन्तु यह यरदन का जल नहीं था जिसने उसे चंगा किया; यह परमेश्वर के वचन का पालन करना था, उस जल में जिसे परमेश्वर ने नियुक्त किया था। वह उतरा और सात बार डुबकी लगाई, और उसकी चमड़ी एक छोटे बालक की चमड़ी के समान हो गई। इसी प्रकार एक व्यक्ति नए सिरे से जन्म लेता है: अपने किसी बड़े प्रयास से नहीं, परन्तु आज्ञापालन में नीचे जाकर, और एक नए बालक के रूप में ऊपर आकर, और शुद्ध होकर।)

E. मरकुस 16:16 जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा, परन्तु जो विश्वास न करेगा वह दोषी ठहराया जाएगा। **[G907 baptizo ⚑]**

जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले → उद्धार पाएगा।

F. यूहन्ना 3:5 यीशु ने उत्तर दिया, "मैं तुझ से सच-सच कहता हूँ, जब तक कोई मनुष्य जल और आत्मा से न जन्मे तो वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता। **[G1080 gennao ⚑]**

जब तक कोई जल और आत्मा से न जन्मे → वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।

G. गलातियों 3:27 और तुम में से जितनों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है उन्होंने मसीह को पहन लिया है। **[G907 baptizo ⚑]**

जितने लोगों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है → उन्होंने मसीह को पहन लिया है।

H. तीतुस 3:4 पर जब हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की भलाई, और मनुष्यों पर उसका प्रेम प्रकट हुआ (5) तो उसने हमारा उद्धार किया और यह धार्मिक कामों के कारण नहीं, जो हमने आप किए, पर अपनी दया के अनुसार, नये जन्म के स्नान, और पवित्र आत्मा के हमें नया बनाने के द्वारा हुआ।

हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की दयालुता और प्रेम प्रगट हुआ → धार्मिकता के कामों के द्वारा नहीं → परन्तु अपनी दया के अनुसार उसने नए जन्म के स्नान के द्वारा हमारा उद्धार किया।

I. इफिसियों 2:8 क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन् परमेश्वर का दान है; **[G5485 charis ⚑]** (9) और न कर्मों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे। (10) क्योंकि हम परमेश्वर की रचना हैं; और मसीह यीशु में उन भले कामों के लिये सृजे गए जिन्हें परमेश्वर ने पहले से हमारे करने के लिये तैयार किया।

अनुग्रह से तुम विश्वास के द्वारा उद्धार पाए हो = परमेश्वर का दान है → कर्मों से नहीं, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे → हम उसकी बनाई हुई सृष्टि हैं, जो भले कामों के लिये मसीह यीशु में सृजे गए हैं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इन दोनों सत्यों को साथ लेकर चलिए, तो इनमें कोई टकराव नहीं है। अनुग्रह वरदान है; विश्वास उसे ग्रहण करता है; और बपतिस्मा कोई ऐसा कार्य नही है जो कुछ भी अर्जित करता हो, जैसे नामान ने नदी में डुबकी लगाकर अपना चंगा होना अर्जित नहीं किया था, या मरणासन्न लोगों ने पीतल के सर्प को देखकर अपना जीवन अर्जित नहीं किया था। परमेश्वर ने सब कुछ प्रदान किया; व्यक्ति केवल आज्ञा मानता है और ग्रहण करता है। जल से बाहर आने वाला मनुष्य किसी भी बात पर गर्व नहीं कर सकता — वह गाड़ा गया, और परमेश्वर ने उसे उठाया। यह ऊपर 1 पतरस 3:21 के विषय में कहा गया था, और यह यहाँ भी सत्य है: यह न तो जल है, और न ही यह हमारे अपने हाथों के कार्य हैं। यह अनुग्रह है, जो विश्वास की आज्ञाकारिता के द्वारा ग्रहण किया जाता है। और अगली ही आयत यह कहती है कि कार्य किस लिए हैं: उद्धार का आधार नहीं, बल्कि उसका फल — हम परमेश्वर की अपनी कारीगरी हैं, मसीह यीशु में नए बनाए गए ताकि हम उन अच्छे कार्यों में चलें जो उसने पहले से हमारे लिए तैयार किए थे। जो कोई आज्ञा का पालन करता है, उसने वरदान अर्जित नहीं किया है, और जो कोई इसे अर्जित करना कहता है, उसने आज्ञा को नहीं समझा है।)

J. 1 तीमुथियुस 1:13 मैं तो पहले निन्दा करनेवाला, और सतानेवाला, और अंधेर करनेवाला था; तो भी मुझ पर दया हुई, क्योंकि मैंने अविश्वास की दशा में बिन समझे बूझे ये काम किए थे।

एक निन्दक + एक सतानेवाला + अपमान करनेवाला → परन्तु मुझ पर दया हुई।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — देखिए इस आज्ञाकारिता से किसके पाप धोए गए थे। तरसुस के शाऊल ने मसीह के मार्ग को मृत्युपर्यंत सताया था। उसने पुरुषों और स्त्रियों को बंदी बनाया और उन्हें बंदीगृह में खींच लाया, वह एक निंदक और परमेश्वर के लोगों का सताने वाला था। प्रभु स्वयं मार्ग में उससे मिले, उसे भूमि पर गिरा दिया, और स्वर्ग से उससे बात की। और फिर भी, तीन दिन बाद, हनन्याह को यह कहने के लिए भेजा गया: उठ, और बपतिस्मा ले, और प्रभु का नाम लेकर अपने पापों को धो डाल। यदि दमिश्क के मार्ग की ज्योति ने शाऊल के पापों को नहीं धोया, परन्तु आज्ञाकारिता के जल ने उन्हें धो दिया, तो कोई भी यह न समझे कि उसके अपने पाप किसी आसान तरीके से दूर किए जा सकते हैं, जितना परमेश्वर ने सबसे बड़े पापी को भी दिया।)

VII. पवित्र आत्मा का उपहार प्राप्त करो

A. प्रेरितों के काम 19:5 यह सुनकर उन्होंने प्रभु यीशु के नाम का बपतिस्मा लिया। (6) और जब पौलुस ने उन पर हाथ रखे, तो उन पर पवित्र आत्मा उतरा, और वे भिन्न-भिन्न भाषा बोलने और भविष्यद्वाणी करने लगे।

प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा लिया गया → पवित्र आत्मा उन पर उतरा।

B. रोमियों 8:9 परन्तु जबकि परमेश्वर का आत्मा तुम में बसता है, तो तुम शारीरिक दशा में नहीं, परन्तु आत्मिक दशा में हो। यदि किसी में मसीह का आत्मा नहीं तो वह उसका जन नहीं।

यदि किसी में मसीह की आत्मा नहीं है → वह उसका नहीं है।

C. प्रेरितों के काम 2:39 क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम, और तुम्हारी सन्तानों, और उन सब दूर-दूर के लोगों के लिये भी है जिनको प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा।" (योए. 2:32)

यह प्रतिज्ञा तुम्हारे लिए + तुम्हारी सन्तान के लिए + उन सब के लिए है जो दूर हैं।

D. इफिसियों 1:13 और उसी में तुम पर भी जब तुम ने सत्य का वचन सुना, जो तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार है, और जिस पर तुम ने विश्वास किया, प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा की छाप लगी। (14) वह उसके मोल लिए हुओं के छुटकारे के लिये हमारी विरासत का बयाना है, कि उसकी महिमा की स्तुति हो।

तुम उस प्रतिज्ञा के पवित्र आत्मा के द्वारा मुहरबन्द किए गए → जो हमारे मीरास का बयाना है।

E. 2 कुरिन्थियों 1:22 जिसने हम पर छाप भी कर दी है और बयाने में आत्मा को हमारे मनों में दिया।

हमें मुहरबंद किया है + हमारे हृदयों में आत्मा का बयाना दिया है।

F. इफिसियों 4:30 परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो, जिससे तुम पर छुटकारे के दिन के लिये छाप दी गई है। (इफि. 1:13,14, यशा. 63:10)

परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो → जिससे तुम पर छुटकारे के दिन के लिये छाप दी गई है। (इफि. 1:13,14, यशा. 63:10.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पवित्र आत्मा कुछ चुने हुए लोगों के लिए इनाम नहीं है। वह उन पर राजा की मुहर है जो उसके अपने हैं, और वह बयाना है — विरासत का वह पहला भाग जो पहले ही अदा कर दिया गया है — कि तुम उसी के हो, उस छुटकारे के दिन तक। इसलिए प्रश्न स्पष्ट रूप से खड़ा है, और इसे पूछा ही जाना चाहिए: क्या तुमने पवित्र आत्मा को प्राप्त किया है? क्योंकि वचन स्पष्ट रूप से कहता है: जिसके पास मसीह की आत्मा नहीं, वह उसका नहीं है। बिना मुहर के पत्र राजा का पत्र नहीं होता। बिना आत्मा वाला व्यक्ति अभी तक मसीह का नहीं है। उसे तब तक ढूँढ़ो जब तक तुम उसे पा न लो।)

VIII. दृढ़ता से लगे रहो — प्रेरितों की शिक्षा, संगति, रोटी तोड़ना, प्रार्थनाएँ

A. प्रेरितों के काम 2:41 अतः जिन्होंने उसका वचन ग्रहण किया उन्होंने बपतिस्मा लिया; और उसी दिन तीन हजार मनुष्यों के लगभग उनमें मिल गए। **[G4342 proskartereo ⚑]** (42) और वे प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने में और रोटी तोड़ने में और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।

जिन्होंने आनन्द से उसका वचन ग्रहण किया, उन्होंने बपतिस्मा लिया → वे प्रेरितों के उपदेश + संगति + रोटी तोड़ने + प्रार्थनाओं में लगे रहे।

B. प्रेरितों के काम 2:46 और वे प्रतिदिन एक मन होकर मन्दिर में इकट्ठे होते थे, और घर-घर रोटी तोड़ते हुए आनन्द और मन की सिधाई से भोजन किया करते थे। (47) और परमेश्वर की स्तुति करते थे, और सब लोग उनसे प्रसन्न थे; और जो उद्धार पाते थे, उनको प्रभु प्रतिदिन उनमें मिला देता था।

प्रतिदिन एक मन होकर बने रहना → प्रभु उद्धार पानेवालों को प्रतिदिन कलीसिया में मिलाता जाता था।

C. 1 कुरिन्थियों 11:23 क्योंकि यह बात मुझे प्रभु से पहुँची, और मैंने तुम्हें भी पहुँचा दी; कि प्रभु यीशु ने जिस रात पकड़वाया गया रोटी ली (24) और धन्यवाद करके उसे तोड़ी, और कहा, "यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिये है: मेरे स्मरण के लिये यही किया करो।" (25) इसी रीति से उसने बियारी के बाद कटोरा भी लिया, और कहा, "यह कटोरा मेरे लहू में नई वाचा है: जब कभी पीओ, तो मेरे स्मरण के लिये यही किया करो।" (लूका 22:20) (26) क्योंकि जब कभी तुम यह रोटी खाते, और इस कटोरे में से पीते हो, तो प्रभु की मृत्यु को जब तक वह न आए, प्रचार करते हो।

मैंने प्रभु से यह प्राप्त किया + यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिये तोड़ी जाती है → यह मेरी स्मृति में करो → तुम प्रभु की मृत्यु का प्रचार करते हो जब तक वह न आए।

D. यूहन्ना 6:54 जो मेरा माँस खाता, और मेरा लहू पीता है, अनन्त जीवन उसी का है, और मैं अन्तिम दिन फिर उसे जिला उठाऊँगा।

जो मेरा माँस खाता, और मेरा लहू पीता है, अनन्त जीवन उसी का है → और मैं अन्तिम दिन फिर उसे जिला उठाऊँगा.

E. 1 यूहन्ना 1:9 यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने, और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है। (भज. 32:5, नीति. 28:13)

यदि हम अपने पापों को मान लें → तो वह हमारे पापों को क्षमा करने, और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है। (भज. 32:5, नीति. 28:13.

F. इब्रानियों 3:13 वरन् जिस दिन तक आज का दिन कहा जाता है, हर दिन एक दूसरे को समझाते रहो, ऐसा न हो, कि तुम में से कोई जन पाप के छल में आकर कठोर हो जाए।

वरन् जिस दिन तक आज का दिन कहा जाता है → ऐसा न हो, कि तुम में से कोई जन पाप के छल में आकर कठोर हो जाए.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — देखिए वचन कितनी बार "प्रतिदिन" शब्द कहता है। वे प्रतिदिन बने रहे। वे घर-घर जाकर रोटी तोड़ते थे। वे प्रतिदिन एक दूसरे को प्रोत्साहित करते थे। यह रविवार के एक घंटे और सप्ताह के मध्य के एक घंटे का धर्म नहीं है — दो बार सीट को गर्म करना, और बाकी जीवन व्यक्ति का अपना। पहली कलीसिया ने इसे हर दिन, मिलकर जीया, और प्रभु प्रतिदिन उनमें उन लोगों को जोड़ता था जो उद्धार पा रहे थे। जो विश्वास अगली सभा तक टाल दिया जाता है, वह विश्वास पाप के धोखे के द्वारा कठोर हो जाता है। वह भेंट नहीं माँग रहा है। वह जीवन माँग रहा है।)

IX. मसीह में बने रहो — विश्वास में बने रहो

A. यूहन्ना 15:4 तुम मुझ में बने रहो, और मैं तुम में जैसे डाली यदि दाखलता में बनी न रहे, तो अपने आप से नहीं फल सकती, वैसे ही तुम भी यदि मुझ में बने न रहो तो नहीं फल सकते। **[G3306 meno ⚑]** (5) मैं दाखलता हूँ: तुम डालियाँ हो; जो मुझ में बना रहता है, और मैं उसमें, वह बहुत फल फलता है, क्योंकि मुझसे अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते ।

जब तक तुम मुझ में बने न रहो → मुझसे अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते।

B. कुलुस्सियों 1:23 यदि तुम विश्वास की नींव पर दृढ़ बने रहो, और उस सुसमाचार की आशा को जिसे तुम ने सुना है न छोड़ो, जिसका प्रचार आकाश के नीचे की सारी सृष्टि में किया गया; और जिसका मैं पौलुस सेवक बना।

यदि तुम विश्वास में जड़ पकड़े और स्थिर बने रहो → उस सुसमाचार की आशा से न डिगो।

C. 2 यूहन्ना 1:9 जो कोई आगे बढ़ जाता है, और मसीह की शिक्षा में बना नहीं रहता, उसके पास परमेश्वर नहीं । जो कोई उसकी शिक्षा में स्थिर रहता है, उसके पास पिता भी है, और पुत्र भी। **[G3306 meno ⚑]**

जो कोई मसीह की शिक्षा में बना रहता है → उसके पास पिता और पुत्र दोनों हैं।

D. रोमियों 11:22 इसलिए परमेश्वर की दयालुता और कड़ाई को देख! जो गिर गए, उन पर कड़ाई, परन्तु तुझ पर दयालुता, यदि तू उसमें बना रहे, नहीं तो, तू भी काट डाला जाएगा।

परमेश्वर की भलाई और कठोरता को देखो → यदि तू उसकी भलाई में बना रहे → नहीं तो तू भी काटा जाएगा।

E. प्रकाशितवाक्य 3:15 "मैं तेरे कामों को जानता हूँ कि तू न तो ठंडा है और न गर्म; भला होता कि तू ठंडा या गर्म होता। (16) इसलिए कि तू गुनगुना है, और न ठंडा है और न गर्म, मैं तुझे अपने मुँह से उगलने पर हूँ।

न ठंडा न गरम → क्योंकि तू गुनगुना है → मैं तुझे अपने मुंह से उगल दूंगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — देखिए प्रभु उन लोगों के साथ क्या करते हैं जो गुनगुने हैं। केवल ठंडे नहीं, बल्कि गुनगुने — वह जिसके पास इतना ही धर्म है कि आराम में रहे, और इतना नहीं कि जीवित रहे — उसे वह अपने मुँह से थूक देंगे। उससे जुड़े रहना मात्र किसी धागे से लटके रहना नहीं है, रविवार को गरम और बाकी सप्ताह ठंडा। यह जलना है। वह कहते हैं, गरम हो जाओ, या यहाँ तक कि ठंडे हो जाओ, उस बीच वाली स्थिति से बेहतर है जो उन्हें बीमार कर देती है। उसमें बने रहो, और उन्हें अंत तक तुम्हें जलाए रखने दो।)

X. अंत तक धीरज धरो

A. मत्ती 24:13 परन्तु जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा, उसी का उद्धार होगा। **[G5278 hupomeno ⚑]**

परन्तु जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा → उसी का उद्धार होगा.

B. प्रकाशितवाक्य 2:10 जो दुःख तुझको झेलने होंगे, उनसे मत डर: क्योंकि, शैतान तुम में से कुछ को जेलखाने में डालने पर है ताकि तुम परखे जाओ; और तुम्हें दस दिन तक क्लेश उठाना होगा। प्राण देने तक विश्वासयोग्य रह; तो मैं तुझे जीवन का मुकुट दूँगा। (याकू. 1:12)

उन बातों में से किसी से मत डर जो तुझे सहनी होंगी → मृत्यु तक विश्वासयोग्य बना रह → मैं तुझे जीवन का मुकुट दूंगा।

C. 1 कुरिन्थियों 11:28 इसलिए मनुष्य अपने आपको जाँच ले और इसी रीति से इस रोटी में से खाए, और इस कटोरे में से पीए।

मनुष्य अपने आपको जाँच ले → और इस रोटी को खाए, और इस कटोरे से पीए।

D. नीतिवचन 24:16 क्योंकि धर्मी चाहे सात बार गिरे तो भी उठ खड़ा होता है; परन्तु दुष्ट लोग विपत्ति में गिरकर पड़े ही रहते हैं।

क्योंकि धर्मी चाहे सात बार गिरे तो भी उठ खड़ा होता है.

E. 1 यूहन्ना 2:1 मेरे प्रिय बालकों, मैं ये बातें तुम्हें इसलिए लिखता हूँ, कि तुम पाप न करो; और यदि कोई पाप करे तो पिता के पास हमारा एक सहायक है, अर्थात् धर्मी यीशु मसीह।

यदि कोई मनुष्य पाप करे → हमारा एक सहायक पिता के पास है, यीशु मसीह जो धर्मी है।

F. इब्रानियों 7:25 इसलिए जो उसके द्वारा परमेश्वर के पास आते हैं, वह उनका पूरा-पूरा उद्धार कर सकता है, क्योंकि वह उनके लिये विनती करने को सर्वदा जीवित है। (1 यूह. 2:1,2, 1 तीमु. 2:5)

वह उन्हें पूरी तरह से बचाने में सक्षम है → क्योंकि वह उनके लिए विनती करने को सर्वदा जीवित है।

G. भजन संहिता 103:12 उदयाचल अस्ताचल से जितनी दूर है, उसने हमारे अपराधों को हम से उतनी ही दूर कर दिया है।

उदयाचल अस्ताचल से जितनी दूर है → उसने हमारे अपराधों को हम से उतनी ही दूर कर दिया है.

H. इब्रानियों 8:12 क्योंकि मैं उनके अधर्म के विषय में दयावन्त होऊँगा, और उनके पापों को फिर स्मरण न करूँगा।"

और उनके पापों को फिर स्मरण न करूँगा.

I. यूहन्ना 10:27 मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं, और मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरे पीछे-पीछे चलती हैं। (28) और मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूँ, और वे कभी नाश नहीं होंगी, और कोई उन्हें मेरे हाथ से छीन न लेगा। (29) मेरा पिता, जिसने उन्हें मुझ को दिया है, सबसे बड़ा है, और कोई उन्हें पिता के हाथ से छीन नहीं सकता।

मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं + वे मेरे पीछे-पीछे चलती हैं → और कोई उन्हें मेरे हाथ से छीन नहीं सकता।

J. यहेजकेल 18:24 परन्तु जब धर्मी अपने धार्मिकता से फिरकर टेढ़े काम, वरन् दुष्ट के सब घृणित कामों के अनुसार करने लगे, तो क्या वह जीवित रहेगा? जितने धार्मिकता के काम उसने किए हों, उनमें से किसी का स्मरण न किया जाएगा। जो विश्वासघात और पाप उसने किया हो, उसके कारण वह मर जाएगा।

परन्तु जब धर्मी अपने धार्मिकता से फिरकर टेढ़े काम → जो विश्वासघात और पाप उसने किया हो, उसके कारण वह मर जाएगा.

K. नीतिवचन 26:11 जैसे कुत्ता अपनी छाँट को चाटता है, वैसे ही मूर्ख अपनी मूर्खता को दोहराता है। (2 पत. 2:20-22)

जैसे कुत्ता अपनी छाँट को चाटता है → वैसे ही मूर्ख अपनी मूर्खता को दोहराता है। (2 पत. 2:20-22.

L. 2 पतरस 2:20 और जब वे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की पहचान के द्वारा संसार की नाना प्रकार की अशुद्धता से बच निकले, और फिर उनमें फँसकर हार गए, तो उनकी पिछली दशा पहली से भी बुरी हो गई है। (21) क्योंकि धार्मिकता के मार्ग का न जानना ही उनके लिये इससे भला होता, कि उसे जानकर, उस पवित्र आज्ञा से फिर जाते, जो उन्हें सौंपी गई थी। (22) उन पर यह कहावत ठीक बैठती है, कि कुत्ता अपनी छाँट की ओर और नहलाई हुई सूअरनी कीचड़ में लोटने के लिये फिर चली जाती है। (नीति. 26:11)

फिर उसमें उलझ गया, और हार गया → उनका अंतिम हाल पहले से भी बुरा हो गया है → कुत्ता अपनी ही कै की ओर फिर लौट आया + वह सुअरी जो नहलाई गई थी, फिर कीचड़ में लोटने चली गई।

M. मत्ती 7:22 उस दिन बहुत लोग मुझसे कहेंगे; 'हे प्रभु, हे प्रभु, क्या हमने तेरे नाम से भविष्यद्वाणी नहीं की, और तेरे नाम से दुष्टात्माओं को नहीं निकाला, और तेरे नाम से बहुत अचम्भे के काम नहीं किए?' (23) तब मैं उनसे खुलकर कह दूँगा, 'मैंने तुम को कभी नहीं जाना, हे कुकर्म करनेवालों, मेरे

पास से चले जाओ।' (लूका 13:27)

हे प्रभु, हे प्रभु, क्या हम ने तेरे नाम से भविष्यद्वाणी नहीं की? → मैं ने तुम्हें कभी नहीं जाना: हे कुकर्म करनेवालों, मेरे पास से चले जाओ।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — मसीह में एक बालक पिता के मना करने के बाद भी आग की ओर हाथ बढ़ा सकता है। यह उस बच्चे का लड़खड़ाना है जो अभी सीख रहा है, और पिता यह जानता है। एक प्रौढ़ पुत्र या पुत्री को इससे बेहतर जानना चाहिए। परन्तु इसमें यह दया है: जब हम पाप भी करते हैं, तब भी हम त्याग नहीं दिए जाते। हमारा एक अधिवक्ता है — यीशु मसीह जो धर्मी है — जो सदा जीवित है और सदा हमारी ओर से पिता से बात करता है। इसलिए हम फिर उठ खड़े होते हैं। धर्मी सात बार गिरता है और फिर उठ खड़ा होता है। हम अपने आप को परखते हैं, जो किया उसे मान लेते हैं, उससे फिरते हैं, और अपने पिता के काम में लौट जाते हैं, बीते हुए को पीछे छोड़कर — क्योंकि परमेश्वर ने हमारे पापों को पहले ही उतना दूर कर दिया है जितना पूर्व पश्चिम से दूर है, और वह उन्हें फिर स्मरण नहीं करता। परन्तु इस दया को बहाना मत बनाओ। यहेजकेल दूसरा पक्ष दिखाता है: जो धर्मी अपनी धार्मिकता से फिरकर अपने पाप में मर जाता है, वह अपनी पूर्व धार्मिकता के कारण नहीं बचाया जाएगा। पतरस नए नियम में वही चित्र दिखाता है, और वह ऐसा करने के लिए पुरानी कहावत उद्धृत करता है: कुत्ता अपनी छाँट की ओर लौट जाता है, और नहलाई हुई सुअरनी कीचड़ में लोटने को लौट जाती है — वह व्यक्ति जो प्रभु को जानकर संसार की गंदगी से बच निकला था, और फिर उसी में लौट गया, अंत में आरम्भ से भी बुरी दशा में। और यीशु उन लोगों से कहता है जिन्होंने उसके नाम में दुष्टता की, "मैं तुम्हें कभी नहीं जानता था।" अब इस तलवार की दोनों धारों को थामे रहो, और किसी को भी कुंठित मत करो। प्रभु कहता है कि कोई भी उसकी भेड़ों को उसके हाथ से छीन नहीं सकता — न कोई शत्रु, न कोई शक्ति, न कोई मनुष्य। वह सुरक्षा वास्तविक है, और यह उसकी पकड़ है जो थामे रहती है, हमारी नहीं। परन्तु देखो कि वह उन भेड़ों का वर्णन कैसे करता है: वे उसकी आवाज़ सुनती हैं, और उसके पीछे चलती हैं। वचन कहीं भी किसी भेड़ को उसके हाथ से छीने जाते नहीं दिखाता; वह नहलाई हुई भेड़ को अपनी ही इच्छा से फिरकर कीचड़ की ओर लौटते दिखाता है। पवित्रशास्त्र इन दोनों को थामे रखता है — वह हाथ जो तोड़ा नहीं जा सकता, और फिर जाने की चेतावनी — और वह इन्हें एक सरल सूत्र में गला नहीं देता, इसलिए हम भी नहीं करेंगे। जब गिरो, तब निराश मत हो: अधिवक्ता वास्तविक है, और घर लौटने का मार्ग खुला है। यह मत मान लो कि तुम स्वतंत्रता से फिर जा सकते हो: चेतावनी भी वास्तविक है। गिरो, पर उठो। उठो, और अंत तक धीरज धरो।)

XI. चौकस रहो — दूतों की सुनो, और दूसरे सुसमाचार से सावधान रहो

A. 1 यूहन्ना 4:6 हम परमेश्वर के हैं। जो परमेश्वर को जानता है, वह हमारी सुनता है; जो परमेश्वर को नहीं जानता वह हमारी नहीं सुनता; इसी प्रकार हम सत्य की आत्मा और भ्रम की आत्मा को पहचान लेते हैं।

जो परमेश्वर को जानता है, वह हमारी सुनता है → इसी से हम सत्य की आत्मा और भ्रम की आत्मा को पहचानते हैं।

B. गलातियों 1:8 परन्तु यदि हम या स्वर्ग से कोई दूत भी उस सुसमाचार को छोड़ जो हमने तुम को सुनाया है, कोई और सुसमाचार तुम्हें सुनाए, तो श्रापित हो। (9) जैसा हम पहले कह चुके हैं, वैसा ही मैं अब फिर कहता हूँ, कि उस सुसमाचार को छोड़ जिसे तुम ने ग्रहण किया है, यदि कोई और सुसमाचार सुनाता है, तो श्रापित हो।

परन्तु यदि हम या स्वर्ग से कोई दूत भी उस सुसमाचार को छोड़ जो हमने तुम को सुनाया है → जैसा हम पहले कह चुके हैं.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इसे भली-भांति समझ लें: यदि जो हम मानते हैं वह उससे मेल नहीं खाता जो दूतों ने प्रचार किया, तो हम ही गलत हैं, वे नहीं। उन्होंने उसे देखा, और उसकी सुनी, और उसके द्वारा भेजे गए। जो कोई परमेश्वर की सुनता है वह उनकी सुनता है। किसी शिक्षक को प्रेरितों से ऊँचा रखना भ्रम की आत्मा को सुनना है।)

C. यहूदा 1:3 हे प्रियों, जब मैं तुम्हें उस उद्धार के विषय में लिखने में अत्यन्त परिश्रम से प्रयत्न कर रहा था, जिसमें हम सब सहभागी हैं; तो मैंने तुम्हें यह समझाना आवश्यक जाना कि उस विश्वास के लिये पूरा यत्न करो जो पवित्र लोगों को एक ही बार सौंपा गया था। (4) क्योंकि कितने ऐसे मनुष्य चुपके से हम में आ मिले हैं, जिनसे इस दण्ड का वर्णन पुराने समय में पहले ही से लिखा गया था: ये भक्तिहीन हैं, और हमारे परमेश्वर के अनुग्रह को लुचपन में बदल डालते है, और हमारे एकमात्र स्वामी और प्रभु यीशु मसीह का इन्कार करते हैं।

विश्वास के लिए जो एक ही बार पवित्र लोगों को सौंपा गया, उसके लिए प्रयत्न करो → कुछ मनुष्य चुपके से आ मिले हैं।

D. 2 पतरस 2:1 जिस प्रकार उन लोगों में झूठे भविष्यद्वक्ता थे उसी प्रकार तुम में भी झूठे उपदेशक होंगे, जो नाश करनेवाले पाखण्ड का उद्घाटन छिप छिपकर करेंगे और उस प्रभु का जिसने उन्हें मोल लिया है इन्कार करेंगे और अपने आपको शीघ्र विनाश में डाल देंगे।

झूठे शिक्षक चुपके से नाश करने वाले पाखंड मत ले आएंगे → उस प्रभु का इन्कार करते हुए जिसने उन्हें मूल्य देकर खरीदा।

E. 2 कुरिन्थियों 11:13 क्योंकि ऐसे लोग झूठे प्रेरित, और छल से काम करनेवाले, और मसीह के प्रेरितों का रूप धरनेवाले हैं। (14) और यह कुछ अचम्भे की बात नहीं क्योंकि शैतान आप भी ज्योतिर्मय स्वर्गदूत का रूप धारण करता है।

झूठे प्रेरित, कपटी काम करनेवाले → शैतान आप ही ज्योति के दूत का रूप धारण करता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — प्रेरितों के अपने समय में भी, लोग चुपके से घुस आए और शिक्षा को तोड़-मोड़ दिया। हमारे अपने समय में तो कितना अधिक, जब जो कुछ सिखाया जाता है उसमें से बहुत कुछ नया है, जिसकी जड़ पुराने वचन में नहीं है, और जिसे सही ढंग से नहीं संभाला जाता। कोई बात सच नहीं होती इसलिए कि बहुत से लोग उस पर विश्वास करते हैं, और न ही इसलिए कि वह मनुष्यों के मुख में पुरानी है। वह सच है केवल तभी जब वह उससे मेल खाती है जो दूतों ने सौंपा था।)

2 तीमुथियुस 4:3 क्योंकि ऐसा समय आएगा, कि लोग खरा उपदेश न सह सकेंगे पर कानों की खुजली के कारण अपनी अभिलाषाओं के अनुसार अपने लिये बहुत सारे उपदेशक बटोर लेंगे। (4) और अपने कान सत्य से फेरकर कथा-कहानियों पर लगाएँगे।

वे खरे सिद्धांत को सहन नहीं करेंगे → अपनी ही अभिलाषाओं के अनुसार अपने लिए ऐसे उपदेशक बटोर लेंगे जिनके कान चुलचुलाते हों।

1 तीमुथियुस 4:1 परन्तु आत्मा स्पष्टता से कहता है कि आनेवाले समयों में कितने लोग भरमानेवाली आत्माओं, और दुष्टात्माओं की शिक्षाओं पर मन लगाकर विश्वास से बहक जाएँगे

अंतिम समयों में कुछ लोग विश्वास से भटक जाएंगे → भरमानेवाली आत्माओं और शैतानों की शिक्षाओं पर मन लगाकर।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — और यही वह घड़ी है ठीक: वे लोग जो सच्चे उपदेश को सहन नहीं करेंगे, बल्कि भीड़ के हिसाब से अपने लिए उपदेशक इकट्ठा करेंगे — जितने भी उनके कानों की खुजली मिटाएँ, और उन्हें वही बताएँ जो वे सुनना चाहते हैं। एक व्यक्ति उपदेशकों का पूरा घर बना सकता है, हर एक उससे सहमत, और हर एक ग़लत। सत्य

कभी बहुमत से सिद्ध नहीं हुआ, कभी उतने लोगों के विश्वास करने से सत्य नहीं बना, और कभी कान को प्रसन्न करने के लिए मोड़ा नहीं गया। सत्य से मुँह फेरो, तो तुम फेर दिए जाते हो — वचन यही कहता है — कहानियों की ओर।)

F. 2 तीमुथियुस 2:15 अपने आपको परमेश्वर का ग्रहणयोग्य और ऐसा काम करनेवाला ठहराने का प्रयत्न कर, जो लज्जित होने न पाए, और जो सत्य के वचन को ठीक रीति से काम में लाता हो।

अपने आप को परमेश्वर के सम्मुख ग्रहणयोग्य ठहराने के लिये प्रयत्न कर → सत्य के वचन को ठीक रीति से काम में लाने वाला।

G. मत्ती 4:4 यीशु ने उत्तर दिया, "लिखा है, 'मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा।'"

मनुष्य केवल रोटी से जीवित न रहेगा → परन्तु परमेश्वर के मुख से निकलने वाले हर वचन से।

H. नीतिवचन 30:5 परमेश्वर का एक-एक वचन ताया हुआ है; वह अपने शरणागतों की ढाल ठहरा है। (6) उसके वचनों में कुछ मत बढ़ा, ऐसा न हो कि वह तुझे डाँटे और तू झूठा ठहरे।

परमेश्वर का हर एक वचन पवित्र है → उसके वचनों में कुछ मत बढ़ाना।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — हम परमेश्वर के वचनों में से चुनने और छानने के लिए स्वतंत्र नहीं हैं, सरल वचनों को रखकर और कठिन वचनों को छोड़कर। मनुष्य हर एक वचन से जीवित रहता है। उसमें जोड़ना, या उससे घटाना, उस परमेश्वर के सामने झूठा पाया जाना है जिसने उसे कहा है।)

XII. क्रूस पर के चोर का उदाहरण

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह वह एक पत्थर है जिस पर बहुत से लोग अपने पूरे तर्क को टिकाते हैं: वे कहते हैं कि मरता हुआ चोर बचाया गया, और उसका कभी बपतिस्मा नहीं हुआ; इसलिए बपतिस्मा आवश्यक नहीं है। आओ, अब इसे वचन के प्रकाश में तराजू पर रखें, और देखें कि यह वास्तव में किस आधार पर टिका है।)

A. लूका 23:40 इस पर दूसरे ने उसे डाँटकर कहा, "क्या तू परमेश्वर से भी नहीं डरता? तू भी तो वही दण्ड पा रहा है (41) और हम तो न्यायानुसार दण्ड पा रहे हैं, क्योंकि हम अपने कामों का ठीक फल पा रहे हैं; पर इसने कोई अनुचित काम नहीं किया।" (42) तब उसने कहा, "हे यीशु, जब तू अपने राज्य में आए, तो मेरी सुधि लेना।" (43) उसने उससे कहा, "मैं तुझ से सच कहता हूँ कि आज ही तू मेरे साथ स्वर्गलोक में होगा।"

हम अपने कर्मों का उचित प्रतिफल पाते हैं → हे प्रभु, मुझे स्मरण रखना → आज ही तू मेरे साथ स्वर्गलोक में होगा।

B. मत्ती 3:5 तब यरूशलेम के और सारे यहूदिया के, और यरदन के आस-पास के सारे क्षेत्र के लोग उसके पास निकल आए। (6) और अपने-अपने पापों को मानकर यरदन नदी में उससे बपतिस्मा लिया।

यरूशलेम + सारा यहूदिया + यरदन के आस-पास का सारा प्रदेश → उससे बपतिस्मा लेते हुए, अपने-अपने पापों को मानते हुए।

C. मरकुस 1:4 यूहन्ना आया, जो जंगल में बपतिस्मा देता, और पापों की क्षमा के लिये मन फिराव के बपतिस्मा का प्रचार करता था। (5) सारे यहूदिया के, और यरूशलेम के सब रहनेवाले निकलकर उसके पास गए, और अपने पापों को मानकर यरदन नदी में उससे बपतिस्मा लिया।

यहूदिया का सारा देश + यरूशलेम के रहनेवाले → सब उस से यरदन में बपतिस्मा लेते थे।

D. लूका 7:29 और सब साधारण लोगों ने सुनकर और चुंगी लेनेवालों ने भी यूहन्ना का बपतिस्मा लेकर परमेश्वर को सच्चा मान लिया। (30) पर फरीसियों और व्यवस्थापकों ने उससे बपतिस्मा न लेकर परमेश्वर की मनसा को अपने विषय में टाल दिया।

सब लोगों और महसूल लेनेवालों ने बपतिस्मा लिया → परन्तु फरीसियों और व्यवस्थापकों ने बपतिस्मा न लेकर परमेश्वर की मन्त्रणा को अपने ऊपर से टाल दिया।

E. मत्ती 21:32 क्योंकि यूहन्ना धार्मिकता के मार्ग से तुम्हारे पास आया, और तुम ने उस पर विश्वास नहीं किया: पर चुंगी लेनेवालों और वेश्याओं ने उसका विश्वास किया: और तुम यह देखकर बाद में भी न पछताए कि उसका विश्वास कर लेते।

चुंगी लेनेवालों और वेश्याओं ने उस पर विश्वास किया।

F. यूहन्ना 4:1 फिर जब प्रभु को मालूम हुआ कि फरीसियों ने सुना है कि यीशु यूहन्ना से अधिक चेले बनाता और उन्हें बपतिस्मा देता है। (2) (यद्यपि यीशु स्वयं नहीं वरन् उसके चेले बपतिस्मा देते थे)

यीशु ने यूहन्ना से अधिक चेले बनाए और बपतिस्मा दिया।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अब उस चोर को इस दृष्टि से तौलिए। वचन कहीं भी यह नहीं कहता कि उसने बपतिस्मा नहीं लिया था। यह वह बात है जिसे लोग मान लेते हैं, और फिर अपनी ही धारणा पर पूरा सिद्धांत खड़ा कर लेते हैं। परन्तु सुनिए कि वचन क्या कहता है: यरूशलेम, और सारा यहूदिया, और यरदन के आस-पास का सारा प्रदेश निकल कर गए और अपने पापों को मान कर बपतिस्मा लिया। सामान्य लोगों और चुंगी लेनेवालों ने बपतिस्मा लिया। वेश्याओं ने विश्वास किया। केवल फरीसियों और शास्त्रियों ने इन्कार किया, और उन्होंने बपतिस्मा नहीं लिया। वह चोर कोई फरीसी नहीं था — वह साधारण लोगों में से एक था, एक अपराधी, ठीक वैसा ही जैसे लोग यूहन्ना के मन फिराव के बपतिस्मे के लिए भीड़ लगाते थे। और क्रूस पर उसने ठीक वही किया जिसके लिए बपतिस्मा था: उसने अपने पाप को मान लिया — हम अपने कामों के योग्य दण्ड पा रहे हैं। इसके साथ यह भी जोड़िए कि प्रभु के अपने चेलों ने यूहन्ना से भी अधिक लोगों को बपतिस्मा दिया, उस सारे देश में, तीन वर्षों से भी अधिक समय तक। इसलिए सच्चाई इस बहाने के विपरीत है: वचन हमें ऐसे चोर के पास नहीं ले जाता जिसने कभी बपतिस्मा नहीं लिया, बल्कि ऐसे चोर के पास जिसने लगभग निश्चित रूप से बाकी लोगों के साथ बपतिस्मा लिया था। जो लोग उस पर भरोसा करते हैं, उन्होंने एक ऐसे मनुष्य पर भरोसा किया है जो पहले ही धोया जा चुका था।)

G. इब्रानियों 9:16 क्योंकि जहाँ वाचा बाँधी गई है वहाँ वाचा बाँधनेवाले की मृत्यु का समझ लेना भी अवश्य है। (17) क्योंकि ऐसी वाचा मरने पर पक्की होती है, और जब तक वाचा बाँधनेवाला जीवित रहता है, तब तक वाचा काम की नहीं होती।

और जब तक वाचा बाँधनेवाला जीवित रहता है → तब तक वाचा काम की नहीं होती.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — और मान लीजिए सबसे बुरी बात यह हो कि उसका बपतिस्मा बिलकुल भी नहीं हुआ था: तब भी वह आपके लिए कोई नियम नहीं है। नई वाचा के लागू होने से पहले ही उसकी मृत्यु हो गई थी। जब तक वसीयत बनाने वाला जीवित रहता है, तब तक वसीयत का कोई प्रभाव नहीं होता, और प्रभु का अभी तक निधन नहीं हुआ था।

इसलिए उस चोर को उस तरह ग्रहण किया गया जैसे पुराने दिनों में लोगों को ग्रहण किया जाता था, इससे पहले कि इस नई वाचा का द्वार कभी खोला गया हो। और वह हाथों और पैरों से क्रूस पर ठोंका गया था, और बपतिस्मा लेने के लिए नीचे नहीं आ सकता था। परमेश्वर किसी व्यक्ति से उस बात में आज्ञाकारिता की मांग करता है जो वह करने में सक्षम है। जो एक मरता हुआ मनुष्य नहीं कर सका, वह एक जीवित मनुष्य के लिए कोई बहाना नहीं है जो कर सकता है। आप क्रूस पर ठोंके नहीं गए हैं; आप आज्ञा मान सकते हैं।)

H. मत्ती 7:26 परन्तु जो कोई मेरी ये बातें सुनता है और उन पर नहीं चलता वह उस मूर्ख मनुष्य के समान ठहरेगा जिसने अपना घर रेत पर बनाया। (27) और बारिश, और बाढ़ें आईं, और आँधियाँ चलीं, और उस घर पर टक्करें लगीं और वह गिरकर सत्यानाश हो गया।"

सुनता है और करता नहीं → अपना घर बालू पर बनाया → और उसका पतन बड़ा हुआ।

(मेरे निजी विचार — तो यह सारा बहाना एक ऐसी धारणा पर टिका है जिसे वचन कभी नहीं कहता। यह उस स्पष्ट प्रमाण के विरुद्ध खड़ा है जो वचन देता है। यह रेत पर बनाया गया घर है, और उसका पतन बड़ा होगा। परन्तु आज्ञा चट्टान पर खड़ी है, और वह टली नहीं है: मन फिराओ, और तुम में से हर एक बपतिस्मा ले।)

(मेरे व्यक्तिगत विचार — फिर भी इसे भी श्रद्धा के साथ सुनें, और इस लापरवाह धारणा के साथ नहीं कि आप पहले से ही सब कुछ समझते हैं। बहुतों ने ऐसा मान लिया है, और गलत सिद्ध हुए हैं। और हम जो आपके सामने ये शब्द लाते हैं, यह दावा नहीं करते कि हम सब कुछ जानते हैं। हम अभी भी सीखने वाले हैं, और वचन के द्वारा तथा भेजे गए लोगों के द्वारा सुधारे जाने के लिए तैयार हैं। परन्तु हम उसे बदलने का साहस नहीं करते जो दूतों ने स्पष्ट रूप से कहा है। इसलिए इसे स्वयं परखें: यदि हम गलत रहे हों, तो वचन हमें सुधारे। परन्तु सावधान रहें कि आप मनुष्यों की आवाज़ को मेम्ने के प्रेरितों की आवाज़ से ऊपर सुनकर भटका न दिए जाएँ। हम इस विशेष प्रश्न को इतने विस्तार से इस एक उदाहरण के रूप में देखते हैं कि आप फिर भी किसी बात पर विश्वास कैसे कर सकते हैं, तब भी जब बाइबल ऊपरी तौर पर विपरीत दिशा में बहुत ज़ोर देती प्रतीत होती है। हमें वचन को ठीक-ठीक विभाजित करना चाहिए: हम इसमें कुछ जोड़ नहीं सकते, और हम इसमें से कुछ घटा नहीं सकते।)

उसे ग्रहण करने की प्रार्थना

हे परमेश्वर, मुझ पापी पर दया कर। मैंने सत्य सुना है, और मेरा हृदय बिंध गया है, और मैं तुझसे पूछता हूँ: मुझे क्या करना चाहिए? मैं अपने सारे हृदय से विश्वास करता हूँ कि यीशु मसीह मेरे लिये मरा और फिर जी उठा, और मैं अपने मुँह से यह अंगीकार करता हूँ कि यीशु मसीह प्रभु है। मैं मन फिराता हूँ — मैं अपने पाप से मुड़कर अपने सारे हृदय से तेरी ओर आता हूँ। मैं अपने पापों की क्षमा के लिये उसके नाम में बपतिस्मा लूँगा, और उसके साथ गाड़ा जाऊँगा, ताकि नये जीवन में चलूँ। मुझे अपने पवित्र आत्मा से भर दे, क्योंकि मसीह के आत्मा के बिना मैं तेरा नहीं हूँ। मुझे बनाए रख: मुझे प्रेरितों की शिक्षा में, रोटी तोड़ने में, और प्रार्थनाओं में बने रहने में सहायता कर; मुझे मसीह से जुड़े रहने में सहायता कर जैसे डाली दाखलता से जुड़ी रहती है; मुझे अंत तक विश्वासयोग्य बने रहने में सहायता कर। हे प्रभु, मुझे बचा, और मुझे पूरे मार्ग में अगुआई कर। आमीन।

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. अब यह सुनकर उन के मन में चोट लगी, और उन्होंने कहा —
a) तू क्यों देर करता है?
b) पुरुषों और भाइयों, हम क्या करें?
c) क्या वह जीवित रहेगा?

2. पश्चाताप करो, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले —
a) पापों की क्षमा
b) एक अच्छी अंतरात्मा का उत्तर
c) हमारे कामों का उचित प्रतिफल

3. वह काँपता हुआ आया, और कहा, हे साहबो, उद्धार पाने के लिये मुझे क्या करना चाहिए? उन्होंने कहा, प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर। और रात की उसी घड़ी वह —
a) छुटकारे के दिन के लिए मुहरबंद किया गया था
b) मन्दिर में प्रतिदिन बने रहे
c) उसने और उसके सब लोगों ने तुरन्त बपतिस्मा लिया

4. नामान ने यरदन में सात बार डुबकी लगाई, और उसका मांस फिर आ गया —
a) हिम के समान श्वेत
b) एक छोटे बालक के मांस के समान, और वह शुद्ध हो गया
c) दमिश्क की नदियों में स्नान करने के बाद

5. जो कोई इसकी सीमा को लांघ जाता है, और मसीह की शिक्षा में स्थिर नहीं रहता —
a) क्या परमेश्वर ने नहीं
b) उसके पास पिता और पुत्र दोनों हैं
c) जीवन का मुकुट पाएगा

6. यदि किसी में मसीह का आत्मा न हो —
a) वह छुटकारे के दिन के लिए मुहरबंद है
b) उसका बपतिस्मा यूहन्ना के बपतिस्मे से होगा
c) वह उसका नहीं है

7. वसीयत उस समय बलवती होती है —
a) जब तक वसीयतनामा बनानेवाला जीवित है
b) मनुष्यों के मरने के बाद
c) जब वह वचन तेरे निकट है, वरन तेरे मुख में है

उत्तर कुंजी: 1-b · 2-a · 3-c · 4-b · 5-a · 6-c · 7-b

> *बगल की राह — गलातियों 3:27 ("मसीह में बपतिस्मा लिया") अब्राहम के वंश की ओर खोलता है: "और यदि तुम मसीह के हो, तो अब्राहम के वंश और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस भी हो" (गलातियों 3:29)।*

> *बगल की राह — इफिसियों 1:14 ("आत्मा का बयाना") मोल ली हुई मिलकियत के छुटकारे की ओर खोलता है — अर्थात मीरास की ओर, और उस दिन की ओर जब बयाना पूरी तरह चुका दिया जाएगा।*

> *यह उत्तर केवल एक ही लेखक की आवाज़ पर आधारित नहीं है। मूसा, दाऊद, सुलैमान, यशायाह, और यहेजकेल इसमें मत्ती, मरकुस, लूका, यूहन्ना, पौलुस, पतरस, और यहूदा के साथ खड़े हैं, और इब्रानियों भी उनके साथ है — पुराने और नए नियम में बारह गवाह, सब एक ही बात कह रहे हैं।*

समापन

प्रकाशितवाक्य 2:10 जो दुःख तुझको झेलने होंगे, उनसे मत डर: क्योंकि, शैतान तुम में से कुछ को जेलखाने में डालने पर है ताकि तुम परखे जाओ; और तुम्हें दस दिन तक क्लेश उठाना होगा। प्राण देने तक विश्वासयोग्य रह; तो मैं तुझे जीवन का मुकुट दूँगा। (याकू. 1:12)
मृत्यु पर्यन्त विश्वासयोग्य बना रह → मैं तुझे जीवन का मुकुट दूंगा।

ग्रीक मुख्य शब्द

"विश्वास करना" — **G4100 pisteuo** — विश्वास करना; भरोसा करना; समर्पित करना
प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू उद्धार पाएगा — हृदय में विश्वास, किसी भी कदम के उठाए जाने से पहले।

"अंगीकार करना" — **G3670 homologeo** — वही बात कहना; खुलकर स्वीकार करना
मुख से अंगीकार करने से उद्धार होता है।

"पश्चाताप करना" — **G3340 metanoeo** — मन को फिराना; पश्चाताप करना
वह मुड़ना जो इसका आरंभ करता है — केवल शोक नहीं, परन्तु परमेश्वर की ओर एक नया किया हुआ मन।

"बपतिस्मा लेना" — **G907 baptizo** — पानी में डुबाना; जल में गाड़ना और फिर उठाना
आज्ञाकारिता का पहला कार्य: उसके साथ गाड़े जाना, और जीवन की नवीनता में चलने के लिए उठाया जाना।

"धोया गया" — **G3068 louo** — स्नान करना; पूरे शरीर को धोना
हमें अपने ही लोहू से हमारे पापों से धो दिया।

"क्षमा" — **G859 aphesis** — भेज देना; छोड़ देना; क्षमा करना
पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम पर बपतिस्मा लेना — जो पाप बीत चुके हैं, उन्हें दूर भेज दिया जाना।

"जन्म" — **G1080 gennao** — जन्म देना; जन्म लेना
जब तक कोई जल और आत्मा से न जन्मे, वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।

"अनुग्रह" — **G5485 charis** — अनुग्रह; एक मुफ्त वरदान
क्योंकि अनुग्रह से विश्वास के द्वारा तुम्हारा उद्धार हुआ है — यह परमेश्वर का दान है।

"दृढ़ता से बना रहना" — **G4342 proskartereo** — प्रतीक्षा करते रहना; बने रहना; निरंतर लगे रहना
वे चार बातें जिनमें आदि कलीसिया लगी रही: प्रेरितों की शिक्षा, संगति, रोटी तोड़ना, और प्रार्थनाएँ।

"निवास करना" — **G3306 meno** — ठहरना; बना रहना; निवास करना; बना रहना

शाखा फल तभी उत्पन्न करती है जब वह दाखलता में बनी रहती है।

“सहना” — **G5278 hupomeno** — सहना; उठाए रखना; धीरज धरना
जो कोई अंत तक स्थिर रहेगा, वही उद्धार पाएगा।

हिब्रू मुख्य शब्द

“विश्वास किया” — **H539 aman** — भरोसा करना; दृढ़ होना; विश्वासयोग्य होना — शब्द "आमीन" का मूल
उस ने यहोवा की प्रतीति की; और उसने इसे उसके लिये धार्मिकता गिनी।

“शुद्ध” — **H2891 taher** — स्वच्छ होना; शुद्ध होना
धोओ, और शुद्ध हो जाओ — नामान का शरीर फिर से एक छोटे बालक के शरीर के समान हो गया।

“चंगा किया गया” — **H7495 rapha** — चंगा करना; पूर्ण बनाना
उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).